वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 91 | शुक्रवार 25 जुलाई 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

आरयूएचएस को रिम्स के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज–चिकित्सा मंत्री ने की कार्यों की समीक्षा

जयपुर. कासं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से प्रयास किए जा रहे हैं। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय में इस संबंध में समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर ने कहा कि आरयूएचएस अस्पताल को रिम्स के रूप में विकसित करने के लिए राज्य सरकार ने 750 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया है। अधिकारी, राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप रिम्स के लिए आवश्यक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृतियां शीघ्र जारी करवाएं एवं समयबद्ध रूप से निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर काम को गति दें। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस के रिम्स के रूप में विकसित होने से न केवल जयपुरवासियों बल्कि प्रदेशभर के लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बेहतरीन विकल्प मिलेगा। साथ ही, चिकित्सा के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि रिम्स के विकास से संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए टाइमलाइन के साथ एक एक्शन प्लान बनाएं। किसी भी स्तर पर बाधा आने पर तत्काल अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि आरयूएचएस अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं 24 घंटे उपलब्ध होना सराहनीय है। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किया जाए कि आसपास के क्षेत्रों एवं दूसरे जिलों से रेफर होने वाले केस आरयूएचएस में आएं। इससे यहां की विशेषज्ञ सेवाओं का समुचित उपयोग हो सकेगा। चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार ने कहा कि रिम्स का विकास तीन चरणों में किया जाना प्रस्तावित है। पहले चरण में मौजूदा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के साथ ही सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। दूसरे चरण में डेडीकेटेड सुपर स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाएगें एवं तृतीय चरण में शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां ट्रोमा सेन्टर, जीरियाट्रिक्स हेल्थ केयर रिसोर्स एवं रिसर्च सेन्टर एवं डेडिकेटेड थैलेसिमिया यूनिट की स्थापना प्रक्रियाधीन है। क्रिटिकल केयर ब्लॉक तैयार हो चुका है, जिसका जल्द ही लोकार्पण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि डेडिकेटेड सुपर स्पेशियलिटी विंग की स्थापना के लिए प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा जाएगा। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान ने रिम्स के विकास से संबंधित योजना एवं गतिविधियों की जानकारी दी। आरयूएचएस के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल ने बताया कि अस्पताल में कैथलेब, प्लास्टिक सर्जरी, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, स्पोटर्स इंजरी एवं लिगामेंट सर्जरी जैसी सुविधाएं प्रारम्भ कर दी गई हैं। अस्पताल में अब 13 ऑपरेशन थियेटर फंक्शनल हैं, जिनमें 11 ओटी एवं 2 आपातकालीन ओटी शामिल हैं। वर्तमान में लगभग 2200 से 2600 मरीज प्रतिदिन ओपीडी में चिकित्सा परामर्श के लिए आ रहे हैं। जुलाई माह में 1800 से अधिक मरीजों की विभिन्न प्रकार की सफल सर्जरी की गई हैं। पोस्ट मार्टम सेवाएं भी प्रारंभ कर दी गई हैं। अब अस्पताल में 24 घंटे लेबर रूम संचालित किया जा रहा है। बैठक में आरयूएचएस के कुलगुरू प्रो. प्रमोद येवले सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जैन मंदिर दुर्गापुरा में गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी चतुर्मास कलश स्थापना संपन्न

जयपुर. कासं

श्री दिगंबर जैन मंदिर चंद्रप्रभ दुर्गापुरा में गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी के चतुर्मास कलश स्थापना का सौभाग्य रमेश चंद्र यश कमल अजमेरा परिवार को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर रमेश चंद्र यश कमल अजमेरा परिवार को ध्वजारोहण एवं शास्त्र भेंट करने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मुनिश्री सुधासागर महाराज के सानिध्य में अतिशय क्षेत्र कैथुली पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव पत्रिका का हुआ विमोचन

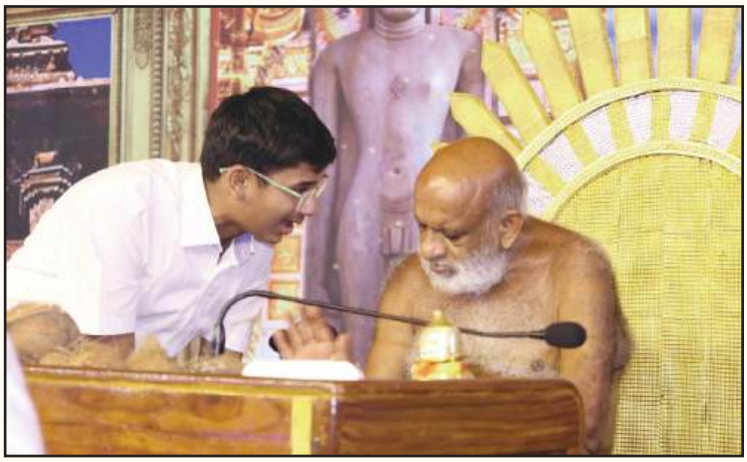

रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर महाराज के परम प्रभावक शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 सुधासागर महाराज के सानिध्य में अतिशय क्षेत्र कैथुली मध्यप्रदेश में होने वाले पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव की पत्रिका का विमोचन किया गया यह आयोजन 31 जुलाई को होगा। यह आयोजन प्रतिवर्ष पार्श्वनाथ मोक्ष कल्याणक महोत्सव के दिन मनाया जाता है जिसे मुकुट सप्तमी के रूप में मनाया जाता है। जिसमें भारी संख्या में भक्त सम्मिलित होते हैं। इसको लेकरआयोजन समिति में अपार उत्साह है। अशोक नगर पहुंचकर क्षेत्र कमेटी एवं भक्तों ने महाराज श्री का आशीर्वाद प्राप्त किया एवं उनके समक्ष 31 जुलाई को होने वाली पत्रिका का विमोचन किया महाराज श्री ने आयोजन की पत्रिका को देखा एवं क्षेत्र कमेटी एवं भक्तों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया महाराज जी ने क्षेत्र में हो रहे कार्यों की भी जानकारी प्राप्त की। पूर्व में भी महाराज श्री ने इस क्षेत्र के अतिशय के बारे में सभी को अवगत कराया था महाराज श्री ने अपने श्री मुख से कहा था कि क्षेत्र के पारसनाथ भगवान का बहुतअतिशय है। इन पलो में क्षेत्र कमेटी के कार्यअध्यक्ष सुनील सुरलाया, महामंत्री मनीष हरसोला कानूनी सलाहकार रविंद्र हरसोला वरिष्ठ उपाध्यक्ष रितेश ठाई,प्रचार मंत्री विपिन सबदरा के साथ सदस्य नितेश ठाई,निलेश जैन विवान जैन सुरेंद्र टोंग्या आदि ने गुरुदेव का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। -**अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट**

श्री सर्वतोभद्र जैन महिला मण्डल बल्केश्वर ने मनाया हरियाली तीज महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

सावन में हरियाली तीज के उल्लास के बीच 24 जुलाई को श्री सर्वतोभद्र जैन महिला मण्डल बल्केश्वर की ओर से कमला नगर के सेंट्रल बैंक रोड स्थित बीकानेर एक्सप्रेस इन रेस्टोरेंट में हरियाली तीज महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया।कार्यकम की शुरूआत णमोकार महामंत्र एवं भगवान महावीर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। महिला मंडल की सभी महिलाओं ने हरे परिधान पहनकर सावन के पारंपरिक गीतों पर जमकर नृत्य किया। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में सभी महिलाओं ने सहभागिता कर महोत्सव को यादगार बना दिया। जिसके बाद वृद्धजनों का माला पहनकर स्वागत सम्मान किया। कार्यकम की संयोजक बबीता जैन,खुशबू जैन रही। इस अवसर पर आरती जैन, नेहा जैन,सीमा जैन,अंशु जैन,सोनिका जैन,सारिका जैन,शिल्पी जैन,रेनू जैन,समस्त मंडल की सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रही

-रिपोर्ट : शुभम जैन

एप्लाडिंग अवर लीडर्स

चीयरिंग अवर टीम्स आयोजन मे महावीर इंटरनेशनल के 83 वीर-वीराओं का सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल एपेक्स द्वारा गोल्डन जुबली आयोजनों में वर्ष भर श्रेष्ठ कार्य करने वाले तथा लक्ष्यों को पूरा करने में अग्रसर रहने वाले 83 कार्यकर्ताओं का बड़ा सम्मान समारोह रात्रि चौपाल में ऑनलाइन किया गया। महावीर इंटरनेशनल के गवर्निंग काउंसिल सदस्य तथा गोल्डन थ्रेड टीम के अजीत कोठिया ने बताया की शिल्पा जैन तथा सारिका अग्रवाल के संयोजन एवं रतन जैन फलौदिया के निर्देशन में आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल जैन थे, अध्यक्षता महासचिव अशोक गोयल ने की तथा विशिष्ट अतिथि ट्रेजरार सुधीर कुमार जैन थे। प्रारंभ में शिल्पा जैन ने प्रार्थना भावना दिन रात मेरी.... गाई। रतन जैन फलौदिया ने आयोजन का परिचय दिया। सभी 83सम्मान प्राप्त कताओं में अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल डायरेक्टर, को डायरेक्टर, गवर्निंग काउंसिल सदस्य, जोन चेयरमैन, टीम गोल्डन जुबली, गोल्डन थ्रेड के संयोजक तथा वीरा विंग के प्रमुख पदाधिकारी सम्मिलित थे। कोठिया ने बताया कि सभी की प्रशस्तियों का बारी बारी से वाचन निधि गांधी, राज लक्ष्मी भंडारी, सुरेश गांधी, सुनील गांग, पुष्पा चिंडालिया, अजीत कोठिया, शिल्पा जैन, सारिका अग्रवाल, निर्मल सिंघवी, श्याम सुंदर जालान, टोडरमल चोपड़ा , आरती मुंड, रामपाल रोकना, प्रदीप टोंगिया, विनय जांगड़ा तथा डॉ उम्मेद सिंह ने किया।

अंतरात्मा की सुनें

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम सभी बाहरी शोर में इतने उलझ गए हैं कि अपने भीतर की आवाज – अपनी अंतरात्मा – को सुनना जैसे भूल ही गए हैं। लेकिन जब मन शांत हो, जब हम अकेले हों, तब कहीं भीतर से एक आवाज आती है – जो सही और गलत का भेद बताती है, जो हमें हमारे कर्मों का आईना दिखाती है। यही आवाज है – अंतरात्मा की आवाज। अंतरात्मा क्या है? अंतरात्मा, आत्मा की वह अनुभूति है जो हमें चेतावनी देती है जब हम कुछ गलत करते हैं, और शांति देती है जब हम सही राह पर होते हैं। यह किसी धर्मग्रंथ का पाठ नहीं, यह हमारे भीतर का गुरु है – जो न मौन रहता है, न किसी पक्ष में होता है। क्यों जरूरी है अंतरात्मा की सुनना? जब हम जीवन के किसी दोराहे पर खड़े होते हैं, जब विकल्प उलझाते हैं, तब दुनिया सलाह देती है – पर अंतरात्मा सही राह दिखाती है। क्योंकि वह किसी लालच, डर या अहंकार से प्रभावित नहीं होती। जो व्यक्ति अपनी अंतरात्मा की सुनता है, वहः

सच्चे निर्णय ले पाता है, नैतिक मूल्यों पर टिकता है, और भीतर से शांत और दृढ़ होता है।

कैसे सुने अपनी अंतरात्मा की आवाज?

1. एकांत में कुछ समय बिताएँ-स्वयं के साथ रहना सीखें।
2. ध्यान और आत्मचिंतन करें-रोज कुछ पल मौन होकर मन को स्थिर करें।
3. ईमानदारी से आत्ममंथन करें-खुद से सवाल करें: क्या मैं सही कर रहा हूं?
4. आडंबरों से दूर रहें-दिखावे और भीड़ की राय से ऊपर उठें।

दुनिया की आवाजें आपको भ्रमित कर सकती हैं, लेकिन अंतरात्मा की आवाज आपको कभी धोखा नहीं देती। यह आपके भीतर छुपा सत्य है। इसे सुनना कठिन नहीं – बस शांति चाहिए, सजगता चाहिए। ''जो अपनी अंतरात्मा की सुनता है, वही जीवन की असली राह पर चलता है।''

-अनिल माथुर जोधपुर (राजस्थान)

हरियाली अमावस्या पर्व जप, तप के साथ मनाया गया शांतिभवन में

अहिंसा, संयम और संवेदना का सजीव संदेश है। हरियाली अमावस्या : उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया। शांति भवन में गुरुवार को हरियाली अमावस्या पर्व और स्वामी भारमल जी का पुण्यस्मृति दिवस जप-तप के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तिनी विजयप्रभा ने कहा कि हरियाली अमावस्या केवल बाह्य प्रकृति की सुंदरता का उत्सव नहीं है, बल्कि यह जीवों के प्रति करुणा, वृक्षों के प्रति अहिंसात्मक दृष्टिकोण और आत्मिक जागरूकता का सजीव प्रतीक है। जिस प्रकार हरियाली धरती को जीवन देती है, उसी प्रकार सद्गुण, संयम और संवेदना जीवन को आध्यात्मिक ऊँचाई प्रदान करते हैं। महासती विद्याश्री ने कहा यह पर्व केवल ऋतु परिवर्तन का संकेत नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ आत्मा के गहरे संबंध की अनुभूति है। सर्वे जीव नमः का भाव हर जीव में पूज्यता का बोध कराता है चाहे वह एकेंद्रिय वनस्पति जीव हो या पंचेंद्रिय प्राणी। यह दिन हमें सिखाता है कि पेड़-पौधे भी जीव हैं, जिनमें चेतना है और जिनका संरक्षण हमारा धर्म है।साध्वी हर्षश्री ने हरियाली अमावस्या को महावीर स्वामी के सिद्धांतों की व्यावहारिक अभिव्यक्ति बताते हुये कहां अहिंसा के सिद्धांतों को पालन करे ओर पर्यावरण की सुरक्षा करें। इस अवसर पर 50 से अधिक श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से आयंबिल तप किया। इन तपस्वियों का सम्मान शांतिभवन के संरक्षक नवरतनमल बंब,अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद चीपड़, महावीर आंचलिया, रवि सिंघवी, कंवरलाल सूरिया,मनोहरलाल सूर्या,मदनलाल चौरड़िया, विनोद डांगी, मुकेश मेड़तवाल, बाबूलाल सूर्या, मुकेश भलावत, चन्द्रप्रकाश काठेड़, मुकेश बड़ोला, पंकज मेड़तवाल, जयसिंह नाहर सहित महावीर युवक मंडल एवं शांति जैन महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

सच्ची श्रद्धा का नाम सम्यकदर्शनः गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

भोपाल. शाबाश इंडिया

प. पू. भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरु मां विज्ञाश्री माताजी ससंघ के सान्निध्य में दानिश कुंज भोपाल के सभी भक्तों को धर्म गंगा में स्नान करने का पूर्ण अवसर प्राप्त हो रहा है। प्रातः प्रतिक्रमण, कल्याण मंदिर स्तोत्र सीखने का अवसर श्रावकों को मिल रहा है। तत्पश्चात पूज्य माताजी के मुखारविंद से अभिषेक शांतिधारा संपन्न हुई। गुरु पूजन, पाद प्रक्षालन शास्त्र भेंट के पश्चात विज्ञा देशना के माध्यम से मेरी भावना का भाव गुरु मां द्वारा समझाया गया। माताजी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान पर सच्ची श्रद्धा रखने का नाम सम्यकदर्शन है। यदि भगवान पर विश्वास कर लिया तो हम इस संसार सागर से पार हो जायेंगे। परन्तु आज हम इतने स्वार्थी हो गये हैं कि भगवान या गुरु को भी तब मानते है जब उनसे हमारा कोई कार्य सिद्ध होता है। प्रभु एवं गुरु कर्म काटने के साधन है कर्म जोड़ने के नहीं । अतः प्रभु की भक्ति में स्वार्थ नहीं श्रद्धा लाओ तो मनवांछित फल की प्राप्ति होगी। सायंकाल में माताजी द्वारा आत्मारोग्य लाभ शिविर का आयोजन चल रहा है जिसका निर्विघ्न समापन हुआ। आगामी 25 जुलाई से सोलह दिवसीय शांति विधान प्रतिदिन सोलह परिवारों द्वारा किया जायेगा।

राग, अनुराग और विराग-जीवन के तीन रंग, इनका संतुलन ही समाधान : मुनि श्री 108 सौम्य सागर जी

आगरा. शाबाश इंडिया

मुनि श्री 108 सौम्य सागर जी ने जीवन की तुलना आधुनिक कृषि से करते हुए कहा कि आज के समय में हाइब्रिड बीजों की तरह हमारे विचार भी बाजारवाद, लालच और चालाकी से संक्रमित हो गए हैं। ''जब बीज ही लोभ और व्यापार से बोए जाएँगे, तो जीवन की फसल में रोग आना अवश्यंभावी है, इसलिए हमें अपने धर्म के बीज को शुद्ध और सुरक्षित रखना चाहिए।'' श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, छिपीटोला में आयोजित भव्य धर्मसभा में मुनि श्री 108 सौम्य सागर जी महाराज के प्रेरणास्पद एवं चिंतनशील प्रवचन ने श्रोताओं के हृदय को गहराई से स्पर्श किया। मुनि श्री सौम्य सागर जी का प्रवचन मंगल केवल धार्मिक उपदेश नहीं, बल्कि जीवन के भौतिक और आध्यात्मिक पक्षों के बीच संतुलन बनाने की प्रेरणा है। उन्होंने अपने वक्तव्य के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि यदि जीवन में स्थायी शांति और संतोष चाहिए, तो विचारों, कर्मों और इच्छाओं में सामंजस्य आवश्यक है। मुनिश्री की वाणी ने न केवल धार्मिक चेतना को जागृत किया, बल्कि आधुनिक जीवन की जटिलताओं और भौतिकता के बढ़ते प्रभाव के बीच संतुलन साधने की आवश्यकता पर भी स्पष्ट मार्गदर्शन प्रदान किया। सन्देश : राग, अनुराग और विराग-जीवन के तीन रंग, इनका संतुलन ही समाधान है। मुनिश्री ने प्रवचन के दौरान गूढ़ विषयों को सहज और सारगर्भित शैली में प्रस्तुत करते हुए कहा कि ''अनुराग, राग और विराग – ये तीनों शब्द एक ही मूल से उपजते हैं, परन्तु प्रत्येक का अर्थ और प्रभाव भिन्न है। राग तो सामान्य है, परंतु अनुराग के लिए विशेष प्रयास और विराग के लिए तो आत्मचिंतन व त्याग आवश्यक है। राग के साथ दोष की छाया अनिवार्य है, जैसे किसी बीज के साथ खरपतवार स्वाभाविक रूप से आती है।'' प्रवचन के दौरान श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। **प्रेषक : संजय सागर सिंह**

वेद ज्ञान

मन के कहने पर ही मनुष्य हर काम करता है

मन की यात्रा अधूरी ही होती है। वैसे तो आदमी जीता पूरा है और पूरी तरह से जीने का प्रयास करता है, पर वह जी नहीं पाता। ऐसा इसलिए, क्योंकि वह जीने के लिए प्रयास करता है। उन प्रयासों में वह कुछ संभावनाओं में डूबकर जीता है। कुछ कल्पनाओं में डूबकर जीता है और कभी-कभी स्वप्न में इस तरह खोकर जीता है, जैसे उसका यही सत्य है। यही जीवन है। आदमी का यह मन ही तो है। मन जो मान लेता है, उसी की यात्रा करने लगता है। उसी के नशे में डूबकर कुछ समय काट लेता है। मन सभी चीजों को स्वीकार कर लेता है। मन सभी तरह की बातों को बर्दाश्त कर लेता है। वह केवल अपना रास्ता खोजता रहता है। वह खाने में, पीने में, सोने-जागने में भी अपना प्रभाव रखता है। इसलिए आदमी पूरी तरह से सो भी नहीं पाता। सोकर भी वह स्वप्न में खो जाता है। सोकर वह यात्राएं करने लगता है। स्वप्न में ही उठकर चलने लगता है। स्वप्न में ही मन के भटकाव को मुक्ति देने का प्रयास करता है और कभी-कभी तो सो भी नहीं पाता। पूरी रात स्वप्नों में ही गुजार देता है। वैसे तो मनुष्य पूरी व्यवस्थाओं के साथ जन्म लेता है। जब वह जन्म लेता है तो मां के स्तन में दूध आ जाता है और प्रेम के अनुग्रह का अथाह सागर उसके लिए उमड़ पड़ता है, पर जैसे-जैसे उसकी दुनिया बढ़ती जाती है। वह अपने जीवन के प्रश्नों के समाधान में उलझ जाता है। आदमी की मांग बढ़ती जाती है। प्रश्नों का चक्रव्यूह बढ़ता जाता है। चाहतें बढ़ने लगती हैं। समाधान की खोज में यात्राएं होती रहती हैं। किसी स्थूल यात्रा को वह पूरा कर लौट आता है। तो किसी में उलझ कर छोड़ आता है। आदमी के प्रश्न भी अनेक तरह के हैं और समाधान के मार्ग भी भिन्न तरह के हो जाते हैं। आदमी की कई तरह की चाहतें हैं। अनेक तरह से प्रेम करता है। कोई प्रेमिका के प्रेम में या किसी प्रेमी के प्रेम में खोकर अपना स्वर्ग समझ लेता है। इसी को अपनी जिंदगी समझ लेता है। तो कोई धन से प्यार करता है, कोई पद प्रतिष्ठा से तो कोई कला से प्रेम करने लगता है। इस प्रकार मन के कहने पर वह हर काम करता है, लेकिन बाद में उसे यह अहसास होता है कि मन के कहने पर वह जो भी करता है, अंततः हाथ कुछ नहीं आता। मन की नीरसता व रिक्तता दूर नहीं होती।

संपादकीय

चांद के दावे और भुखमरी...

दुनिया भर में विकास के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं। बुनियादी ढांचे से लेकर प्रौद्योगिकी के विकास में नई-नई मिसाल कायम की जा रही हैं। इसी का दंभ भरकर किसी अन्य ग्रह पर जीवन की खोज करने या फिर भविष्य में चांद पर बस्ती बसाने के दावे भी किए जा रहे हैं। मगर, क्या वास्तव में विकास का पैमाना यही है? समाज के समग्र उत्थान का तत्त्व विकास की इस धारा में कहां है? यह कैसा विकास है कि एक तरफ विभिन्न देश

तकनीक के बूते खुद के ताकतवर एवं साधन संपन्न होने का राग अलाप रहे हैं, तो दूसरी ओर दुनिया में करोड़ों लोग भुखमरी के कारण अपने शरीर की ताकत भी खो रहे हैं। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन की 'वैश्विक खाद्य संकट' पर एक हालिया रपट में किए गए खुलासे चिंताजनक है। इसमें कहा गया है कि दुनिया भर में उनतीस करोड़ से अधिक लोग ऐसे हालात में जी रहे हैं, जहां उनके लिए एक वक्त का भोजन जुटा पाना भी मुश्किल है। साफ है कि समाज का सबसे कमजोर तबका आज भी संघर्ष, महंगाई, प्राकृतिक आपदा और जबरन विस्थापन जैसी समस्याओं के चक्रव्यूह में उलझा हुआ है। संसाधनों के अभाव और संकटग्रस्त क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के जीवन की डगर ज्यादा कठिन हो गई है। रपट में सामने आया है कि 2024 में लगातार छठे वर्ष दुनिया में गंभीर खाद्य संकट और बच्चों में कुपोषण बढ़ा है। आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले वर्ष 53 देशों या क्षेत्रों के 29.5 करोड़ लोग गंभीर खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यह आंकड़ा वर्ष 2023 के मुकाबले 1.37 करोड़ अधिक है। यानी सुधार के बजाय स्थिति पहले से कहीं अधिक खराब हो गई है। भुखमरी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें दो देशों के बीच युद्ध और आंतरिक संघर्ष प्रमुख हैं। इन दो कारणों से ही बीस देशों में करीब 14 करोड़ लोग भुखमरी का शिकार हैं। जाहिर है, अंतरराष्ट्रीय संघर्षों की वजह से हालात और ज्यादा बदतर हो रहे हैं। युद्ध के दौरान प्रभावित लोगों को राहत के तौर पर खाद्य सामग्री पहुंचाने पर रोक लगा देने की खबरें भी आती रहती हैं। इस तरह के प्रयास वास्तव में मानवीय संवेदनाओं के दम तोड़ देने की ओर इशारा करते हैं। महंगाई और बेरोजगारी से उपजी विकट आर्थिक स्थितियां भी भुखमरी के लिए जिम्मेदार हैं। रपट में कहा गया है कि इन दोनों कारणों से पंद्रह देशों में 5.94 करोड़ लोगों का जीवन संकट में है। इसके अलावा, सूखा और बाढ़ ने 18 देशों में 9.6 करोड़ लोगों को खाद्य संकट में धकेल दिया है। इस पर तुर्रा यह है कि इन लोगों को खाद्य एवं पोषण सहायता के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय वित्तीय मदद में भी भारी गिरावट आई है। ऐसा लगता है कि वैश्विक मदद और राजनीतिक इच्छाशक्ति की सांसें धीरे-धीरे उखड़ रही हैं। ऐसे में जबरन विस्थापन भुखमरी के संकट को और बढ़ा रहा है। 21वीं सदी में भी अगर भुखमरी की समस्या विकराल होती जा रही है, तो यह व्यवस्था के साथ-साथ मानवता के लिए भी खतरे की घंटी है। इस समस्या से निपटने के लिए जरूरी है कि संकटग्रस्त इलाकों में स्थानीय खाद्य प्रणालियों और पोषण सेवाओं में निवेश पर जोर दिया जाए। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

बैंकिंग में भ्रष्टाचार

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक और सीईओ चंदा कोचर अपीलीय ट्रिब्यूनल में रिश्वत लेने की दोषी पाई गई हैं, जो बताता है कि बैंकिंग व्यवस्था में कालेधन ने किस कदर घुसपैठ कर ली है। कोचर पर आरोप है कि उन्होंने एक कारोबारी समूह को 300 करोड़ रुपये का ऋण जारी करने के बदले में उससे 64 करोड़ रुपये रिश्वत में लिए। हालांकि, अभी इस मामले में लंबी न्यायिक प्रक्रिया बाकी है, लेकिन यदि कोचर को सजा मिलती है, तब भी यह नहीं कहा जा सकेगा कि इससे कालेधन पर कोई बड़ी चोट पड़ी है। ऐसा क्यों? दरअसल, आजादी मिलने के बाद से करीब 30- 40 कमेटियों, आयोगों और संसदीय समितियों ने कालेधन पर अध्ययन किया है और उन सभी ने हजारों सुधार उपायों की सिफारिशें की हैं। उनकी सैकड़ों सिफारिशें लागू भी की गई हैं, जैसे- आयकर की दर घटाना, 1991 की तुलना में नियंत्रण में कुछ ढील देना, नियमों को कुछ उदार बनाना आदि। फिर भी, काली कमाई न सिर्फ बदस्तूर बनी हुई है, बल्कि बढ़ भी रही है, क्योंकि हमने व्यावहारिक उपायों की जगह तकनीकी कदमों पर जोर दिया है। साल 2012 में कई आंकड़ों का अध्ययन करके मैंने यह अनुमान लगाया था कि भारत में जितना कालाधन पैदा होता है, वह जीडीपी का लगभग 60 फीसदी है। बीते 13 वर्षों में बेशक नोटबंदी जैसे कदम भी उठाए गए हैं, लेकिन इस अनुपात में शायद ही कोई बड़ा अंतर आया है, क्योंकि यदि काली कमाई कम हुई होती, तो प्रत्यक्ष कर और जीडीपी का अनुपात बढ़कर 14-15 प्रतिशत पर पहुंच चुका होता। जबकि, यह बीते दो दशक से 5.75 प्रतिशत से लेकर 6.5 प्रतिशत के बीच ही बना हुआ है। बैंक किस तरह के कालाधन पैदा करते हैं, इसे चंदा कोचर के मामले से समझा जा सकता है। चंदा ने ऊंचे पदों पर रहते हुए निजी हित के लिए एक कारोबारी समूह को फायदा पहुंचाया। उन्होंने सीधे लाभ नहीं लिया, बल्कि इसके लिए अपने पति को माध्यम बनाया। ऊंचे पदों पर रहते हुए जब आप नियमों से इतर किसी व्यक्ति या समूह की मदद करते हैं, तो रिश्वत आमतौर पर इसी तरह 'कैश' (नकद) या 'काइंड' (कोई अन्य मदद) के रूप में मिलता है। बैंक से यह अपेक्षा की जाती है कि वह किसी को तभी कर्ज देगा, जब कर्ज लेने वाले की हैसियत उसे चुकाने की होगी या उसकी बैलेंस शीट नियमानुसार दुरुस्त होगी। मगर चंदा कोचर पर आरोप है कि उन्होंने बैंक के हितों को नुकसान पहुंचाते हुए नियमों में फेरबदल कर कारोबारी समूह को कर्ज दिए। इस तरह की काली कमाई की एक बड़ी वजह यह भी है कि बैंकों के ऊंचे पदों पर राजनीतिक लाभ-हानि के अनुसार नियुक्ति की जाती है। वित्त मंत्रालय का बैंकिंग विभाग सरकारी बैंकों के ऊंचे पदों पर नियुक्ति करता है। इसी तरह, निजी क्षेत्र के बैंकों को भी राजनीतिक दबाव में काम करना पड़ता है। बैंकों में एनपीए, यानी डूब खाते के बढ़ने का यह भी कारण है। कई बार तो एक बैंक का कर्ज चुकाने के लिए दूसरे बैंक से कर्ज लिया जाता है और दूसरे का कर्ज चुकाने के लिए तीसरे बैंक से। इसमें भी राजनीतिक रसूख का फायदा कर्जदार उठाता है। इसीलिए, बार-बार यह मांग होती रही है कि तमाम बैंकों को मिलकर एक ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए, जिसमें वे आसानी से यह पता लगा सकें कि किसको, कितना कर्ज किस बैंक ने दिया है।

दुर्गापुरा महिला मंडल द्वारा सावन पिकनिक का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

सावन के महीने में दुर्गापुरा महिला मंडल द्वारा एक शानदार पिकनिक का आयोजन किया। अध्यक्ष रेखा लुहाड़िया व मंत्री रानी सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम में दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र नारेली तथा जिन शासन, अजमेर के दर्शन तथा डंपिंग यार्ड किशनगढ़ (प्रकृति के संग पल) में मस्ती की। इस अवसर पर संरक्षक चंदा सेठी, अध्यक्ष रेखा लूहाडिया, मंत्री रानी सौगानी, सीमा सेठ, वर्षा अजमेरा, रितु चांदवाड, मोना चांदवाड, रीना पांड्या, सुशीला, प्रेम देवी के साथ साथ महिला मंडल की सदस्य उपस्थित रही।

वैदिक धर्म संस्थान, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा विशेष रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्रावण मास के पवित्र माह में खोले के हनुमान जी प्रांगण में वैदिक धर्म संस्थान, आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा विशेष रुद्राभिषेक पूजा का आयोजन किया गया। इसमें श्रावण मास के लिए बैंगलोर से पधारे वैदिक पंडित जी के द्वारा किए गए रूद्रम पाठ के वैदिक मंत्रों ने शिव तत्त्व के अनुभव से सारे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। यजमान गजेन्द्र गौतम ने बताया कि मंदिर प्रांगण में आने वाले अन्य भक्तजनों ने भी पूजा में भाग लिया एवं प्रसाद ग्रहण किया। वैदिक धर्म संस्थान के मोहित गुप्ता एवं चित्र गुप्ता ने आर्ट ऑफ लिविंग की लोकप्रियता का भी एक अनूठा प्रसंग बताया कि जब महाराष्ट्र से आये कुछ पर्यटक जो मंदिर में बालाजी के दर्शन हेतु आये थे, उन्होंने बड़ी प्रसन्नता से बताया कि वे भी आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा दिखाई जाने वाली सुदर्शन क्रिया का अभ्यास करते है । इस समय श्रवण मास में आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान द्वारा जयपुर के अनेक हिस्सों में दिव्य रुद्रपूजा का आयोजन किया जा रहा है ।

तप त्याग साधना ओर 'वात्सल्य मूर्ति' गुरु माँ पूर्णमति माता जी स्वर कोकिला है

पारस जैन 'पार्श्वमणि' पत्रकार कोटा

भारत वसुंधरा पर समय समय पर अनेकानेक ऋषि मुनि तपस्वी दिव्य आत्माओं ने जन्म लेकर इस भूमि को धन्य किया है। जीवन को जीवंत किया है। नर से नारायण तीतर से तीर्थंकर पाषाण से परमात्मा फर्श से अर्श की दिव्य यात्रा का अमर संदेश प्रदान किया है। राणा प्रताप मीरा पन्ना धाय के तप त्याग ओर साधना की पावन भूमि राजस्थान के बागड़ क्षेत्र के बांसवाड़ा जिले के अंतर्गत धर्म प्राण नगरी डूगरपुर में वात्सल्य, करुणा, तप, त्याग ओर साधना की मूर्ति का जन्म हुआ जिससे संपूर्ण राजस्थान के गौरव शाली इतिहास में चार चांद लग गए। देव शास्त्र गुरु के परम भक्त श्री अमृत लाल जी जैन धर्मनिष्ठ श्रीमति रुक्मणि जी जैन के घर आंगन में अक्षय तृतीया के पावन सुअवसर पर 14 मई 1964 के दिन जन्म हुआ। कहते है पुण्य शाली जीव जब आता है तो उससे पहले उसका पुण्य आगे आगे चलता है जी हा श्राविका माता रुक्मणि जी को गर्भ काल में स्वप्न में तीर्थ राज सम्मेद शिखर की वंदना के भाव ओर तीर्थंकरों की मनोहारी प्रतिमाओं के दर्शन होने लगे थे ।बचपन से ही आपकी वाणी में वीणा के तार झंकृत होने की वजह से आपका नाम ₹वीणा₹ रखा गया।आपने मात्र 6 वर्ष की अल्प आयु में ही ब्रह्मचर्य व्रत ले लिया था। जो कि बहुत बड़ी बात है। आपने परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य भगवंत से तीर्थ क्षेत्र कुंडलपुर में दिनांक 7 अगस्त 1989 को आर्यिका दीक्षा अंगीकार कर ₹पूर्णमति₹ नाम को सार्थक किया।आपके कुंडलपुर विधान श्री शांति नाथ विधान आदि कई विधानों की रचना की है श्रद्धालगण बड़े भक्ति भाव ओर श्रद्धा से विधान करते है। आप जीभ से नहीं हृदय से बोलती है। आप ज्ञान रस तप भाव आत्म सौंदर्य कला और साहित्य की समन्वय की साक्षात मूर्ति है। पूर्णमति माताजी अपने प्रवचनों, लेखन भजनों और धार्मिक कार्यों के माध्यम से जैन धर्म का प्रचार प्रसार करती हैं। पूर्णमति माता जी का जीवन तप, त्याग, समर्पण और सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है आपको 'वात्सल्य मूर्ति' के नाम से भी जाना जाता है। आप जब धारा प्रवाह बोलती है तो श्रद्धालगण एकाग्रता से आपकी वाणी को सुनकर हृदय में धारण करते है। आप मधुर स्वर में जब आध्यात्मिक भजन सुनाते है तब श्रद्धालु भाव विभोर हो झूमने लग जाते है। आपका भव्य ऐतिहासिक वर्षायोग कोटा राजस्थान में आलोकित अपूर्व अनुपम धर्म प्रभावना एवं हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ उस पूरे वषायोग में मुझे विभिन्न धार्मिक आयोजनों के समाचार लिखने का सुअवसर प्राप्त हुआ। ये मेरे जीवन का स्वर्णिम अवसर था। आज भी मेरी 35 वर्षों की कवरेज फाइल में समस्त वषायोग की प्रिंट मीडिया कवरेज उपलब्ध है। आपकी धर्मसभा में मुझको कई बार मंगलाचरण करने का अवसर भी मिला था। आपका जो आशीर्वाद वात्सल्य करुणा मुझे मिली उसको जीवन की अंतिम सांस तक कभी नहीं भुला पाऊंगा। वर्ष 2025 का। पावन वषायोग आपका भारत की राजधानी दिल वालों की नगरी दिल्ली में भव्यता के साथ हर्षोल्लास के वातावरण में चल रहा है। मैं आपके बारे में क्या लिखूं मेरे शब्द कोश में शब्द नहीं है । आपके बारे में लिखना सूर्य को दीपक की रोशनी दिखाने के बराबर होगा। आपके पावन चरणों में भाव पूर्ण वंदनामी वंदनामी वंदनामी। अंत में मैत्री भाव जगत में मेरा सब जीवो से नित्य रहे ''दिन दुखी जीवो पर मेरे उर से करुणा स्तोत्र बहे।''

प्रस्तुतिः राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी
पारस जैन ''पार्श्वमणि'' कोटा
9414764980

शांतिनाथ महामंडल विधान का हुआ आयोजन

मनुष्य को ईश्वर में आस्था रखनी चाहिए, कर्मों के माध्यम से ही ईश्वर की इच्छा को प्रकट किया जा सकता है : आर्यिका सुरम्य मति माताजी

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे के त्रिमूर्ति दिगम्बर जैन मन्दिर में आर्यिका 105 श्री सुरम्यमति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में आज श्री त्रिमूर्ति दिगंबर जैन मंदिर गुण सागर कॉलोनी फागी में शांतिनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने बताया कि प्रातः श्री जी का अभिषेक, महाशांति धारा करने के बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि की कामना की गई इसी कड़ी में प्रेमचंद ,कमलेश कुमार , विनोद कुमार, पंकज कुमार कठमाना वाले सिंघल परिवार की तरफ से स्व. श्री सुरेशचंद जैन की सातवीं पुण्य स्मृति में आर्यिका सुरम्य मति माताजी ससंघ के पावन सानिध्य में विधानाचार्य मनीष गोधा के दिशा निर्देश में विभिन्न मंत्रोच्चारणों के द्वारा शांतिनाथ महामंडल का आयोजन किया गया। जिसमें 51 पूज्यार्थियों ने विधान में 120 अर्घ्य चढ़ाकर सुख समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में समाज के मितेश लदाना ने बताया कि आर्यिका माताजी ने अपने गुरु उपदेश में श्रावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपने आराध्य देव जिन प्रभु पर संपूर्ण आस्था होनी चाहिए , मनुष्य के हृदय में ईश्वर का निवास है लेकिन मनुष्य फिर भी अनैतिक कर्म करता है ऐसा क्यों क्योंकि ईश्वर का निवास होते हुए भी ईश्वर को भूलने के कारण गलत कार्य करता है। कुछ लोग कर्मों पर अधिक ध्यान देते हैं, और मानते हैं कि अच्छे कर्म करना ही ईश्वर के प्रति श्रद्धा है, कर्मों के माध्यम से ईश्वर की इच्छा को प्रकट किया जा सकता है। व्यक्ति को यहां वहां नहीं भटकना चाहिए जो है प्रभु आप हो मैं आपकी शरण में आ गया हूं ऐसी भावना रखनी चाहिए। कार्यक्रम में मंदिर समिति के मंत्री कमलेश चौधरी ने बताया कि पार्श्वनाथ चैताल्य में चल रहे 48 दिवसीय भक्तामर स्तोत्र पाठ एवं दीप अर्चना में रामावतार अनिल कुमार कठमाणा परिवार की तरफ से भक्तामर दीप अर्चना की गई कार्यक्रम में सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

प्रेषक राजाबाबू गोधा जैन

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्शी में मनाया गया प्रथम वार्षिक अतिशय महोत्सव

गुन्शी. शाबाश इंडिया

गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी की सुविज्ञ शिष्या ज्ञानश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य में देवाधिदेव 1008 शान्तिनाथ भगवान के ऊपर देवो द्वारा किये गये अभिषेक को आज हरियाली अमावस्या पर एक वर्ष पूर्ण होने पर भक्तों अभिषेक में बहुत ही बढ़-चढ़कर भाग लिया। चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष विष्णु बोहरा ने बताया शांतिधारा का सौभाग्य महेश मोटूका एवं उपस्थिति सभी भक्तगणों को शांतिधारा की, अतिशय कारी शान्तिनाथ भगवान का अतिशय इतना है की इनके समाने श्रद्धा से साथ अपनी मनोकामना रखता है तो जरुर पूर्ण होती है अनेक श्रद्धालु ने छत्र चांवर आदि चढ़ाकर अपनी भक्ति प्रस्तुत की।

श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान बालिका छात्रावास में भोजन कराया

सन्मति ग्रुप ने स्वर्गीय श्री संजय जैन की स्मृति में कराया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा स्वर्गीय श्री संजय जैन की स्मृति में श्रीमती ममता जैन के सहयोग से श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान के बालिका छात्रावास में वहां रह रही छात्राओं को प्रातः का भोजन करवाया। संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर ग्रुप अध्यक्ष मनीष - शोभना लोग्यां, अशोक सेठी, सुमन जैन, ममता जैन , रिद्धि जैन आदि उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में चल रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा

जयपुर. शाबाश इंडिया। अजमेरी गेट स्थित यातायात कार्यालय का दौरा किया और वहाँ प्रवीण पी. के. मस्त (वरिष्ठ यातायात अधिकारी) तथा राजेंद्र सिंह से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में चल रहे प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई। दोनों अधिकारियों ने जन-जागरूकता, ट्रैफिक प्रबंधन, स्कूलों व कॉलेजों में सेफ्टी अभियानों को और प्रभावी बनाने पर सहमति जताई। डॉ. जैन ने मस्त जी का हार्दिक स्वागत किया और उनके कार्यों की सराहना की। यह मुलाकात सड़क सुरक्षा को लेकर भविष्य में और ठोस कदम उठाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली

उम्र से कोई लेना देना नहीं होता बाबू -जहाँ मन और विचार मिलते हैं.. वहाँ सफर और हमसफर अन्तिम श्वास तक साथ होते हैं.. अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज ने कहा ध्यान रखना। समझ - ज्ञान से ज्यादा गहरी और अनुभव से ज्यादा समझदार होती है। इसलिए बहुत से लोग आपको जानते तो हैं, लेकिन आपको समझते नहीं है ।यदि आप हर परिस्थिति में भी समझदारी और सकारात्मक सोच के साथ अपने मन को अनुशासित करते हैं, तो आप निश्चित तौर पर अपने लिए मजबूत इमारत बना रहे हैं। जिस पर आप उन्नत और समुन्नत निर्माण कर सकते हैं। फिर आपको जीने की सारी विधियां और तकनीकें सीखने की जरूरत नहीं है। यदि आप प्रगतिशील अन्दाज में जीना चाहते हैं, तो आपको सकारात्मक सोच और समझदारी का सच्चा विद्यार्थी बनना ही पड़ेगा। सच्चा विद्यार्थी बनने का अर्थ है - देखने और सोचने के नजरिए को बदलना। बुराई में अच्छाई को देखना, गलत में सही को खोजना, नकारात्मक सोच को बदलकर सकारात्मक सोच को वर्धमान करना। सम्भवतः आज 99 फीसदी लोगों की सोच और बातचीत करने का तरीका नकारात्मक हो गया है। जैसे बात बात में आज भी लोग नकारात्मक बात ही बोलते हैं - अपना काम बनता भाड़ में जाये जनता। मैं कहता हूँ भाई - जनता ने आपका क्या बिगाड़ा-? इसी सोच को सकारात्मक बनाकर बोल सकते हैं - अपना काम बनता, मन्दिर में जाये जनता आपने सुना होगा-? मस्त राम मस्ती में, आग लगे बस्ती में। मैं कहता हूँ - मस्त राम मस्ती में, प्रभावना हो बस्ती में। आपने यह भी सुना होगा-? सीधी ऊंगली से घी ना निकले तो टेढ़ी ऊंगली से निकाल लेना चाहिए। अरे भाई ! क्यों ऊंगली टेढ़ी करता है-? घी को गर्म करके निकाल ले ना। बी पॉजीटिव, बी हैप्पी, बी अलर्ट... !!! अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज एवं उपाध्याय पियूष सागरजी महाराज ससंघ तरुणसागरम तीर्थ पर वषायोग हेतु विराजमान हैं उनके सानिध्य में विविध धार्मिक कार्योंकम संपन्न हो रहें हैं उसी श्रृंखला में उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य उक्त बातें रखीं।

-नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल
औरंगाबाद

समाज का कड़वा सत्य जो हम सबको सोचने को मजबूर कर रहा है

समाज क्या कर रहा है ? अपने समाज के बेरोजगार युवाओं हेतु, समाज के कुंवारे लड़के लड़कियों हेतु, समाज की एकता हेतु, समाज की प्रतिभाओं हेतु, समाज के गरीब भाई बहनों हेतु आदि आदि। हमारा समाज क्यों आज इतने ग्रुपों और मंडलों के नाम पर टुकड़ों में बट गया है ? क्या योजनाएं हैं सामाजिक संस्थाओं की, सामाजिक उत्थान के लिए, क्या कारण है कि हम अल्पसंख्यक हो गए हैं और निरंतर कम हो रहे हैं। क्यों समाज की महिलाएं व लड़कियां अन्य जातियों के लड़कों से विवाह कर रही हैं ? क्यों युवाओं के संस्कार कमजोर होकर मटन दारु गुटखा पाउच की ओर बढ़ रहे है ? क्यों इतना समृद्ध एवं धनवान समाज होने के बाद भी समाज के गरीब लोगों के पास रोटी कपड़ा मकान नहीं है और भी कई यक्ष प्रश्न है जिनके उत्तर हमारे (समाज के) पास नहीं है और यही कारण है कि आज का युवा, धर्म और समाज से दूर होता जा रहा है और समाज सिर्फ दिखावे एवं आडंबरों में जी रहा है।

जब जागो तब सवेरा

अगर हम आज भी नहीं जागे तो हो सकता है आने वाले समय में जैन समुदाय विलुप्त सा हो जाए और हम इतिहास के पन्नों तक सिमट कर रह जाएं। यह हमारे भव्य मंदिर, नसियाँऐ, तीर्थ स्थल, आलीशान मकान सब किसी और के हो जाए इसकी संभावना प्रबल बनती जा रही है। प्रश्न और भी कई है जिनका हल हम सबको मिलकर आपसी विश्वास एवं सौहार्दपूर्ण माहौल बनाना अब समय की मांग है। आइये हम सब मिलकर ओर सबको जोड़कर (समाज की की सभी संस्थाएं एवं मंदिर) इसके निराकरण की ओर सशक्त एवं सार्थक कदम उठाए।

जागृति में सहयोगी
जयपुर जैन सभा समिति
(सच कहने का शिष्टतापूर्ण साहस)

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति का संभाग कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति राजस्थान अंचल के जयपुर स्थित संयुक्त महिला संभाग द्वारा सुरभि सदन पिंजरापोल गौशाला में नवीन संभागीय कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जीव दया के अंतर्गत आचार्य श्री 108 विद्या सागर जी महाराज के भावानुसार गोरक्षा संवर्धन हेतु चारा गुड रोटी खिलाकर किया , तत्पश्चात सभी बहनों ने सुरभि सदन में आकर मंगलाचरण कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया, इसमें पूरे जयपुर शहर से 800 महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। समारोह की अध्यक्षता राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष एवं संत सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय की अधिष्ठात्री श्रीमती शीला जैन डोडिया ने की। समारोह में श्रीमती नीना पहाड़िया, डॉ निधी पाटनी , श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती किरण बगड़ा, श्रीमती शकुंतला चांदवाड, श्रीमती नीतू मुशर्रफ , श्रीमती शकुन जैन, श्रीमती सविता बगड़ा ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर चार चांद लगाएं। अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया, और राधा निकुंज संभाग के द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुति दी गई। जयपुर हेरिटेज नगर निगम महापौर श्रीमती कुसुम यादव ने समारोह में उपस्थित होकर महिलाओं का आत्मबल बढ़ाया ।

उन्होंने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। मोटीवेशनल स्पीकर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर सौरभ जैन ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। नारायणा हॉस्पिटल की डायरेक्टर कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ श्रीमती निधि पाटनी ने महिलाओं को कैंसर के लक्षण कारण बचाव व उपचार के संबंध में जानकारी दी। सावन सुंदरी प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 40 महिलाओं ने भाग लिया ! इस प्रतियोगिता में पांच राउंड में सामान्य ज्ञान, धार्मिक ज्ञान, वेशभूषा, आदि के आधार पर श्रीमती रुचिका कासलीवाल को 'सावन सुंदरी' के खिताब से नवाजा गया । श्रीमती जोली जैन व श्रीमती पुरवई जैन रनर अप रही। श्रीमती विनीता बोहरा ने 'लहरिया स्पेशल हाउजी' खिलाई गई,जिसमे विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। समाज में समन्वय सद्भावना संगठित करने वाली महिला कर्मठ महिलाओं ने सहयोग दिया, उन 51 महिलाओं का नारी गौरव से तिलक ताज माला दुपट्टा साड़ी व प्रशस्ति देकर सम्मान किया गया । सम्माननीय अतिथि श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अध्यक्ष एस के जैन, प्रमोद पहाड़िया, उत्तम चंद पाटनी , सुरेश कासलीवाल, दर्शन बाकलीवाल , विनोद छाबड़ा, समाचार जगत से शैलेश गोधा , सुधांशु कासलीवाल, उमरावमल संघी, पदम जैन बिलाला, अशोक पांडया, अरुण कोडीवाल, प्रदीप जैन लाला, विनोद कोटखावदा, ज्ञानचंद झांझरी, राजेंद्र के शेखर, मनीष बैद, महेश चांदवाड, दिनेश गंगवाल, कमल छाबड़ा , विजय सोगानी ,आदि की कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति रही। चल वैजयंती पुरस्कार सांगानेर पूर्व संभाग को उनकी योग्यता के आधार पर दिया गया। जयपुर कैपिटल युवा संभाग के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। राजस्थान अंचल अध्यक्ष श्रीमती शालिनी बाकलीवाल ने कुशल मंच संचालन किया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ वंदना जैन ने सभी का आभार व धन्यवाद व्यक्त किया।

रामलाल वृद्धा आश्रम में आयोजित श्याम कीर्तन में बुजुर्गों ने भक्ति भाव से झूमकर गाए श्याम भजन

आगरा. शाबाश इंडिया

श्रीजी सरकार मित्र मंडल द्वारा कैलाश मंदिर के पास स्थित रामलाल वृद्धा आश्रम एवं गौशाला में 7वां निःशुल्क मासिक श्याम कीर्तन का भव्य आयोजन किया गया।इस अवसर पर आश्रम में निवासरत वृद्ध माता-पिता ने श्याम के भजनों पर भाव-विभोर होकर न केवल कीर्तन का आनंद लिया,बल्कि पूरे मन से झूमते हुए प्रभु की आराधना की। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण से हुई,जिसके पश्चात श्याम बाबा के सुंदर और भावपूर्ण भजनों की प्रस्तुति ने समस्त वातावरण को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। ''कौन कहता है भगवान आते नहीं, तुम मीरा के जैसे बुलाते नहीं'' जैसे भजनों पर वृद्धजनों ने अपनी श्रद्धा और आनंद से भरी प्रतिक्रियाएं दीं।श्रीजी सरकार मित्र मंडल के सदस्यों ने आश्रम वासियों के साथ मिलकर सेवा भाव का परिचय दिया और उन्हें विशेष भोग प्रसादी भी वितरित की गई। वृद्ध माता-पिता ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए आभार प्रकट किया और इस प्रकार के आयोजनों की निरंतरता की कामना की। यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक आनंद का माध्यम बना, बल्कि वृद्धजनों के मन में प्रसन्नता और अपनापन भर गया। श्रीजी सरकार मित्र मंडल के इस सेवा प्रयास की सभी ने सराहना की। मंडल अध्यक्ष मनीष वर्मा का कहना था जो भी सनातनी अपने परिवार में श्याम बाबा का कीर्तन या माता की चौकी या सुन्दर काण्ड का पाठ कराना चाहता हो और वो अपनी आर्थिक स्थिति के कारण नहीं करवा पा रहा है तो वो मंडल के किसी भी सदस्य से सम्पर्क कर आगामी तारीख ले सकता है इस अवसर पर कीर्तन में मंडल अध्यक्ष मनीष वर्मा, उपाध्यक्ष नितिन कुशवाह, उपाध्यक्ष नवीन कुशवाह, कोषाध्यक्ष मृदुल वार्ष्णेय, महामंत्री सुशील कुशवाह प्रचार मंत्री सौरभ श्रीवास्तव सचिव सुमित बंसल विषेश सलाहकार शिवम वर्मा मण्डल संरक्षक राजेश कुशवाह,आदि लोग उपस्थित रहे।

रिपोर्टः शुभम जैन

श्री दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथजी सोनियान में मोक्ष सप्तमी (मुकुट सप्तमी) महोत्सव 31 जुलाई को

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर, पार्श्वनाथजी सोनियान ख्वास जी का रास्ता जयपुर में 31 जुलाई, 2025 श्रावण शुकला सप्तमी को देवाधिदेव 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक , मोक्ष सप्तमी (मुकुट सप्तमी) पुर्ण भक्तिभाव पूर्वक मनाया जायेगा। अध्यक्ष कमल दीवान व मंत्री संजय गोधा ने बताया कि समारोह के अंतर्गत प्रातः 5 बजे- अतिशयकारी भगवान पार्श्वनाथ के नित्याभिषेक, 108 ऋद्धीमंत्रो सहित 108 कलशो से अभिषेक, शांतिधारा निर्वाण लाडू- प्रातः 6.00 बजे, प्रातः 6.15 बजे - श्री विघ्नहरण विधान पूजा, प्रातः 8.15 बजे- मूलनायक वेदी मे निर्वाण लाडू तथा सांय 7.30 बजे - सामुहिक आरती का आयोजन होगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री व टोंक विधायक सचिन पायलट ने आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद लिया

आत्मा की रक्षा इंद्रियों को विषय भोगों राग द्वेष से नियंत्रित संकुचित करें साधु की भांति सम्यक समता भाव धर्म धारण करें: आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

टोंक. शाबाश इंडिया। आचार्य श्री वर्धमान सागर जी महाराज ने जीवन में आपदा और कष्ट क्यों आते है, इससे बचने के क्या उपाय हैं, कर्मो का क्या प्रभाव शरीर आत्मा पर होता है अहिंसा, सत्य धर्म का जीवन में क्या महत्व है इसकी प्रवचन में विवेचना की संसारी प्राणी को आपदा या कष्ट से निराशा होती है और निराशा दूर करने की वह खोज करता है रोग बीमारी की आपदा डॉक्टर से चोरी होने पर पुलिस की मदद लेता है।वर्तमान में गरीबी दरिद्रता भी आपदा कष्ट है यह देशना वात्सल्य वारिधी पंचम पट्टाधीश 108 आचार्य श्री वर्धमान सागर जी ने प्रगट की।राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य श्री ने बताया श्री आदिनाथ भगवान से लेकर श्री महावीर स्वामी तक सभी तीर्थंकरों ने कष्ट आपदा से दूर होने के लिए धर्म का उपाय बताया है। धर्म उपदेश को सुनकर,धारण कर ग्रहण करना चाहिए।जिस प्रकार धन उपार्जन करने के लिए आप मेहनत करते हैं पसीना बहाते है ,गर्मी और कष्ट भी महसूस नहीं होता है उसी प्रकार धर्म धारण करते समय संयम और तप से कष्ट नहीं होता है संत आत्मा के कल्याण के लिए संयम धारण करते हैं। आचार्य श्री ने 148 कर्मों की चर्चा कर बताया कि जिस प्रकार इंजीनियर मकान बनाता हैं उसी प्रकार निर्माण ,नाम ओर आयु कर्म शरीर को निर्धारित करते हैं संसार में जन्म मरण से छुटकारे का उपाय धर्म से प्राप्त होता हैं जीवन में अहिंसा का महत्व है राग द्वेष विषय भोगों से आत्म धर्म को हिंसा से बचाने का पुरुषार्थ करना चाहिए।इसका उपाय बताया कि कछुआ जिस प्रकार संकट आने पर शरीर के अंगों को संकुचित नियंत्रित शरीर को कठोर बनाता हैं उसी प्रकार आपको भी 5 इन्द्रियों को संकुचित ओर नियंत्रित कर तप संयम से आत्मा की रक्षा करना चाहिए। धर्म के बिना सभी निर्धन दरिद्र है जीवन में प्राप्त तीर्थंकर कुल से जीवन को उच्च बनाकर मानव जीवन सफल करे। आचार्य श्री के प्रवचन के पूर्व आर्यिका श्री दिव्ययश मति माताजी का प्रवचन हुआ।आपने अमीर गंज को धन धान्य ओर पुण्य से अमीर बताया इसी पुण्य के कारण आचार्य श्री वर्धमान सागर जी का चातुर्मास टोंक समाज को मिला है। जीवन में धर्म का पुरुषार्थ करो सर्वोच्च गुणों की संपदा युक्त मानव जीवन बनाना चाहिए। गुणों की संपदा में उदारता ,दानशीलता, करुणा, संवेदना ,सहानुभूति की भावना होना चाहिए ।पुण्यवान व्यक्ति को आपदा, विपदा नहीं आती है। भाग्य रूठने से ओर पुण्य कमजोर होने से संचित धन भी नष्ट हो जाता है ।दान तन,मन और धन से किया जाता हैं ।नदी देती हैं तो पानी मीठा होता हैं सागर समुद्र लेता है इस कारण उसका पानी खारा होता हैं और नाला पानी का संग्रह करता हैं उसका पानी सड़ांध देता हैं इसी प्रकार आपको भी धर्म कार्य में दान देना चाहिए। दान और त्याग में त्याग बड़ा होता हैं। समाज के धर्म प्रचारक प्रवक्ता पवन कंटान एवं विकास जागीरदार अनुसार धर्म सभा में श्रीजी और पूवार्चार्य का चित्र का अनावरण दीप प्रज्वलन अहिंसा सर्किल जिनालय के श्रावक व श्राविकाओं द्वारा किया जाकर आचार्य श्री के चरण प्रक्षालन कर जिनवाणी भेंट की इस मौके पर झाड़ोल से पधारे कलाकार भाई गोरधन के भक्तिमय भजनों पर बड़े भक्ति भाव से भक्ति नृत्य करते हुए श्रद्धालुओं अष्टद्रव्य समर्पित किया एवं सुनील सर्राफ ने पूजन व्यवस्था में सहयोग किया। इस मौके पर आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज ने सभी श्रावकों को कूलर व ऐसी का त्याग देकर नियम दिलाया । आचार्य श्री संघ के आहार के चौके लगाने के लिए बाहर के नगरों से काफी भक्त पधार रहे हैं टोंक सहित इंदौर पारसोला निवाई के चौके लगे हैं, कलकत्ता वालो को आज आचार्य श्री का आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

दुष्ट अंहकारीयो का अहम् पुष्ट हो जव बाहर आते ही उसका विनाश होता हैः मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

इक्कतीस जूलाई को मनाया जाएगा भगवान का निर्वाण कल्याणक : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

दुष्ट अंहकारीयो के अहम् पुष्ट होते ही वे बाहर निकल आते हैं और फिर उनका नाश होता है जब नन्हे से कन्हैया को दुष्ट नागराज से भिड़ंता देख मां मसौदा मईया घबरा जाती है तब कान्हा उन्हें अपनी नारायणी शक्ति दिखाकर कहते हैं कि तुम किसी को कुछ नहीं बताना मुझे मानव बनकर जीने दो अंहकारीयो को अहम्पुष्ट करने बाहर आने दो तब ही तो इन दुष्टों का सहार होगा दुष्ट अहंकार में आकर ही बाहर निकाला महापुरुषो को धौर्य धारण करना पड़ता। श्री कृष्ण जी अर्जुन को समझते हुए धैर्य धारण करने को कहते हैं अहम् पुष्ट करने जयद्रथ बाहर आ जाता है और श्री कृष्ण जी सूर्य के ऊपर से बादल हटा देते हैं। अंहकार व्यक्ति को कहीं का नहीं छोड़ता हमारे जीवन में अंहकार ममकार को कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उक्त आश्य केउद्गार सुभाषगंज मैदान में विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए। इसके पहले जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि हमारे बीच पूर्व सांसद डॉ के पी यादव, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मलकीत सिंह, विधायक हरिवावू राय सहित अन्य प्रमुख जन आये है हम जैन समाज की ओर से आपका हार्दिक अभिनन्दन करते हैं। परम पूज्य गुरुदेव मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज की कृपा सभी भक्तों पर बरस रही है। प्रतिदिन प्रातः काल आठ बजे से व शाम छः बजे से मंगल प्रवचन व जिज्ञासा समाधान हो रहा है इसमें आप पधार कर धर्म लाभ ले इस दौरान जैन समाज अध्यक्ष राकेश कासंल महामंत्री राकेश अमरोद कोषाध्यक्ष सुनील अखाई सहित अन्य प्रमुख जनो ने सभी अतिथियों का पीत वस्त्र पगड़ी मालाओं से सत्कार किया । जिसकी परिकल्पना नहीं वो भी भगवान दिखा देता है। धर्म सभा के दौरान मुनिश्री ने कहा कि भगवान हमें वो दिखा रहे हैं जिसकी हमें परिकल्पना तक नहीं हो सकती जिसे हम सपन में भी देखने की कल्पना नहीं करते तू अपनी आंख से आंख देख वो दिखेंगी नहीं गुरु का भगवान की आज्ञा क्या है अपनी आंख से आंख देखना है नोट लगा है कि कभी अपनी आंख से आंख दिखेगी नहीं फिर भी देखने को कहा गया फिर कहा गया कि जो मेरे काम में ही नहीं आ रही ऐसे आंखें किस काम की है आंखो को देख लो कह दो कि जो मैं देखना चाहता हूं वही देखें।हम प्रकृति को अपने अनुकूल चाहते हैं ये हवाएं देश परिवार अपने अनुकूल हो सारी दुनिया तुम्हारे अनूकूल हो जायेगी वस इतना कर लो आज मेरी आंख वहीं देखेंगी जो मैं चाहता हूं करके देख लेना सबसे निकट आपकी आंख है जव वहीं आपके अनुसार नहीं चल पा रही तो दुनिया आपके अनुकूल कभी नहीं होगी मन तुम्हारा है फिर भी भटक रहा है आप वजार में भटके होते तो कोई बता देता आप अपने कमरे में ही भटक रहे हैं तो तुम्हें कोई राह नहीं दिखा सकता मन की तरंग मार ले वस हो गया भजन। मन तो तुम्हारा है जब मन वही तुम्हारी बात नहीं मान रहा तो दुनिया पर हुकूमत करने की सोच रहे हों जिस दिन तुम्हारा मन तुम्हारे अनुसार चलने लगे समझ लेना। एक दिन के लिए ही सही अखण्ड अशोक नगर पूरी दुनिया में सुप्रसिद्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि अखण्ड भारत का सपना चाणक्य ने देखा और कूटनीति के माध्यम से झंडे गाड़ें । चाणक्य कि नीति थी अखण्ड भारत बने। अखण्ड भारत के लिए चाणक्य ने कुटिल चाल चली लेकिन उसकी मंजिल श्रेष्ठ है। ऐसे ही एक दिन के लिए ही सही अखण्ड अशोक नगर पूरी दुनिया में सुप्रसिद्ध कर दिया यदि इस अशोक नगर की सातों समाजों का भाव ऐसे ही रहें तो कितना आनंद आयेगा।

श्रद्धा एवं भक्ति का उमड़ा सैलाब, प्रभु पार्श्वनाथ की स्तुति करने उमड़े हजारों श्रावक-श्राविकाएं

महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में अनुष्ठान आराधना में सर्व सुख समृद्धि की कामना

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। तीर्थंकर प्रभु पार्श्वनाथ की आराधना करने के लिए श्रद्धा एवं भक्ति से ओतप्रोत श्रद्धालुओं का सैलाब सा उमड़ पड़ा। तीव्र उमस की परवाह किए बिना प्रभु की आराधना के लिए जिसे जहां जहां जगह मिली वहीं बैठ परमात्मा की आराधना में लीन हो गया। अनुष्ठान आराधना में शामिल होने का उत्साह इस कदर था कि विशाल पांडाल भी छोटा नजर आ रहा था। ये नजारा अनुष्ठान आराधिका ज्योतिष चन्द्रिका महासाध्वी डॉ. कुमुदलताजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में गुरूवार को आध्यात्मिक चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा सुभाषनगर श्रीसंघ के तत्वावधान में आयोजित साप्ताहिक अनुष्ठान आराधना में भगवान पार्श्वनाथ की स्तुति में दिखा। इस दौरान पार्श्वनाथ स्तुति ह्यह्यप्रणमामि सदा प्रभु पार्श्वजिनं,जिननायक दायक सौख्यघनम्ह्यह्य गूंजी तो भक्ति का ऐसा रंग जमा तो पूरा वातावरण आध्यात्मिक उर्जा से परिपूर्ण हो गया। हर कोई इस अनुष्ठान आराधना में शामिल होकर परमात्मा प्रभु पार्श्वनाथ से अपने साथ परिवार,संघ,समाज व राष्ट्र के लिए रिद्धि, सिद्धी,सुख, समृद्धि,यश,प्रतिष्ठा की कामना कर रहा था। महासाध्वी मण्डल ने पार्श्वनाथ स्तुति का जाप कराया। शुद्ध भावों के साथ हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने इस स्तुति का जाप किया तो पूरा वातावरण पवित्र एवं पावन हो गया ओर असीम पॉजिटिव एनर्जी का संचार हुआ। महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. ने श्रीपार्श्वनाथ स्तुति का महत्व बताते हुए कहा कि तीर्थंकरों की साधना हमारी जिंदगी को पवित्र बनाती है। शांति,खुशहाली व भाईचारा बढ़ने की कामना

से पार्श्वनाथ प्रभु की स्तुति का अनुष्ठान करने से कर्म निर्जरा भी हुई। महामंगलकारी अनुष्ठान करने एवं जिनवाणी सुनने से जीवन में बदलाव आते है। उन्होंने बताया कि आगामी गुरूवार 31 जुलाई को अनुष्ठान आराधना के तहत आरोग्यता की कामना से भक्तामर के 45वें श्लोक ''उद्भूत भीषण जलोदर भार भुग्ना'' का जाप किया जाएगा। भीलवाड़ावासियों की भक्ति भावना की सराहना करते हुए कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की स्तुति कर्म निर्जरा कर मनुष्य के लिए मोक्ष प्राप्ति की राह खोलती है। अनुष्ठान के शुरू में महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में श्री व्रज पंज्जर स्तोत्र की आराधना की गई। अनुष्ठान में स्वर साम्राज्ञी महासाध्वी महाप्रज्ञाजी म.सा.,वास्तुशिल्पी साध्वी पद्मकीर्तिजी म.सा.,विद्याभिलाषी साध्वी राजकीर्तिजी म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। अनुष्ठान के शुरू में लाभार्थी परिवारों,अतिथियों एवं चातुर्मास समिति एवं सुभाषनगर श्रीसंघ के पदाधिकारियों द्वारा नवकार मंत्र चौकी की विधिपूर्वक स्थापना की गई। अनुष्ठान के लाभार्थी देवेन्द्रकुमार, स्नेहलता, उन्नत, मोनिका चौधरी परिवार, मनीषकुमार, सुनीलकुमार,मननकुमार चौरड़िया परिवार, राजेशकुमार मंजूजी टोडरवाल परिवार (ब्यावर वाले), राजेन्द्रकुमार शकुन्तलादेवी, पीयूष राखी खमेसरा परिवार, चैन्नई निवासी प्रकाशचंद, विनोदकुमार, सुरेशकुमार सिंघवी परिवार रहा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि न्यायाधीश जगदीश शर्मा, शंकरलाल मारू, पुलिस अधिकारी जितेन्द्रसिंह राठौड़,रामकिशन चौधरी एवं शिवराजजी थे। आजादनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेश बापना, मंत्री प्रवीण कोठारी सहित संघ के सदस्य भी विशेष आमंत्रित थे। अतिथियों एवं लाभार्थी परिवारों का स्वागत चातुर्मास समिति के अध्यक्ष दौलतमल भड़कत्या, सचिव राजेन्द्र सुराना, दिवाकर संघ के कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्रसिंह सुराणा, सुभाषनगर श्रीसंघ के अध्यक्ष हेमन्त कोठारी, मंत्री बंशीलाल बोहरा, सुनील सुराणा, मदनलाल सिपानी, हनुमान गोखरू,अनिल कोठारी, दिनेश डांगी, मनोज मेहता, विक्रम डूंगरवाल,आशीष भड़कत्या, आदेश सुराणा, चातुर्मास समिति महिला मण्डल की अध्यक्ष निर्मला भड़कत्या, मंत्री लाड़जी मेहता, पुष्पा गोखरू,टीना बापना,ममता सुराणा सहित विभिन्न पदाधिकारियों ने किया। अनुष्ठान में शामिल होने के लिए भीलवाड़ा शहर ही नहीं चित्तौड़गढ़,बिजयनगर, गुलाबपुरा, बदनोर, गंगापुर, रायपुर,माण्डल सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक-श्राविकाएं उमड़े। अनुष्ठान संपन्न होने के बाद राष्ट्रीय मानवाधिकार परिषद द्वारा महासाध्वी मंडल के सानिध्य में जीव दया का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

सुश्राविका मनोहरदेवी बिलवाड़िया ने लिए अठाई तप के प्रत्याख्यान

चातुर्मास में महासाध्वी मण्डल की प्रेरणा से त्याग तपस्याओं का दौर निरन्तर गतिमान है। धर्मसभा में सुश्राविका मनोहरदेवी बिलवाड़िया ने महासाध्वी कुमुदलताजी म.सा. के मुखारबिंद से अठाई तप के प्रत्याख्यान ग्रहण किए तो अनुमोदना में हर्ष-हर्ष के जयकारे गूंज उठे। महिला मण्डल की सदस्य तपस्वी सुश्राविका को जयकारों के बीच पांडाल में लेकर आई। श्रीसंघ की और से तपस्वी बहन का सम्मान पांच उपवास की बोली लेने वाली श्राविका ने किया। कई श्रावक-श्राविकाओं ने बेला, उपवास,आयम्बिल, एकासन, तप के प्रत्याख्यान भी लिए। धर्मसभा का संचालन चातुर्मास समिति के सचिव राजेन्द्र सुराना ने किया।

-निलेश कांठेड़ मीडिया प्रभारी

मीरा जयंती महोत्सव की तैयारी अंतिम चरण में

मेड़ता सिटी. शाबाश इंडिया। मीरा नगरी मेड़ता सिटी में आगामी 30 जुलाई से 6 अगस्त तक आयोजित होने वाले मीरा जयंती महोत्सव की तैयारियों जारी है। मीरा जयंती महोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले धार्मिक कार्यक्रम में अंतराष्ट्रीय कलाकारों संतों को निमंत्रित किया जा चुका है तथा समारोह में अतिथियों को निमंत्रण दिया जा रहा है। मीडिया प्रभारी सुनील पुरी ने बताया कि मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू, महोत्सव समिति अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत सहित समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ताओ द्वारा हरियाणा के प्रभारी और भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया को मीरा जयंती महोत्सव का निमंत्रण पत्र देकर महोत्सव में आमंत्रित किया। वही समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ताओ द्वारा पूर्व मंत्री हिंडौली विधायक अशोक चांदना को भी निमंत्रण दिया गया। अतिथियों ने मीरा जयंती महोत्सव में आने का आश्वस्त किया। इस दौरान मीरा जयंती महोत्सव सचिव रवि प्रकाश कमेडिया, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र बिड़ला, समिति सदस्यगण मूलसिंह देवड़ा,सुनील चौधरी, ऋषि भाटी, दशरथ सारस्वत, कैलाश गौड,लोक अभियोजक अभिमन्यु शर्मा,महेंद्र टेलर, हेमंत सामरिया,सुनील पलड़िया,रविंद्र गहलोत, भाजपा नेता पूर्व पार्षद नरेश जैन आदि मौजूद रहे । मीरा जयंती समिति के अध्यक्ष जितेंद्र गहलोत ने अतिथियों को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित होने वाले मीरा जयंती महोत्सव के बारे में विस्तार से जानकारी दी । साथ ही मीरा बाई की महिमा और गौरवशाली इतिहास,मीरा की श्री कृष्ण के प्रति प्रगाढ़ प्रेम भक्ति के बारे में भी बताया।

जेएसजी सनशाइन संगिनी द्वारा वृक्षारोपण किया

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। जेएसजी सनशाइन संगिनी ने 'सेवा सप्ताह' के दूसरे दिन पर्यावरण संरक्षण को समर्पित वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल के तहत, संगिनी की सक्रिय सदस्यों ने ब्यावर में विभिन्न प्रकार के पेड़-पौधे लगाकर हरियाली को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य न केवल स्थानीय पर्यावरण को हरा-भरा बनाना है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना भी है। 'एक वृक्ष, सौ वरदान' की प्रेरणादायक सोच को आत्मसात करते हुए, यह कार्यक्रम दर्शाता है कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में उठाया गया हर छोटा कदम भी बड़ा सकारात्मक बदलाव ला सकता है। इस अवसर पर, जेएसजी सनशाइन संगिनी की अध्यक्ष, सुमिता बाबेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, हरियाली ही जीवन है। पेड़ लगाना हमारा कर्तव्य मात्र नहीं, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए एक अनमोल उपहार है। सेवा सप्ताह का यह दिन हमें प्रकृति से जुड़ने और उसके संरक्षण के महत्व को समझने का अवसर प्रदान करता है। सचिव ईशा कोठारी ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा, सेवा का सबसे सुंदर रूप प्रकृति की सेवा है। हमारे द्वारा लगाया गया प्रत्येक पौधा हमारे भविष्य की सुरक्षा का प्रतीक है। हम सभी को मिलकर हरियाली के इस संकल्प को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने चाहिए। कार्यक्रम के समापन पर, सभी उपस्थित सदस्यों ने लगाए गए वृक्षों की नियमित देखभाल और उनके संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया।

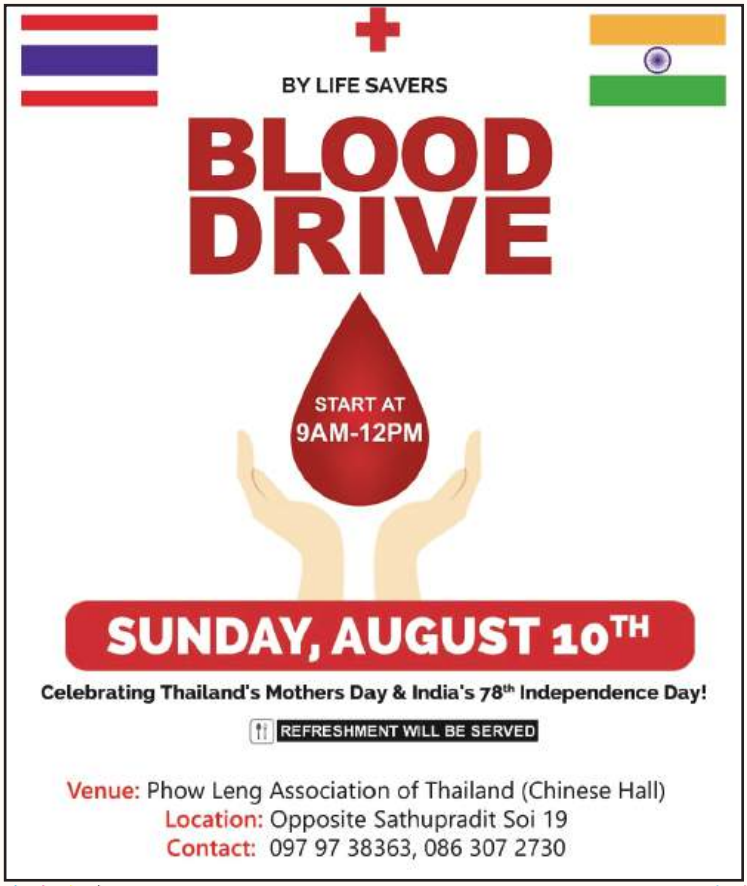

हरियाली तीज पर जैन मिलन बालिका मंडल करेगा आहार दान

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

मुरैना। हरियाली तीज के पावन अवसर पर 27 जुलाई को जैन मिलन बालिका मंडल मुरैना युगल मुनिराजों की आहारचर्या में सहभागी बनेगा। जैन मिलन बालिका मंडल मुरैना की अध्यक्षा दीक्षा नरेश जैन ने बताया कि बालिका मंडल सदैव ही जैन साधु संतों, साध्वियों की संयम साधना में सलंग्न रहता है। किसी भी जैन मुनिराज अथवा जैन साध्वी के नगरागमन पर मंडल द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की जाती है। इसके साथ ही जीव दया, पीड़ित मानव सेवा एवं समाजोत्थान के कार्यों में जैन मिलन बालिका मंडल की सहभागिता रहती है। इस वर्ष मुरैना नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती बड़ा मंदिर में संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित आचार्यश्री आर्जवसागरजी महाराज के परम शिष्य मुनिश्री विलोक सागर एवं मुनिश्री विबोध सागर महाराज का आध्यात्मिक चातुर्मास हो रहा है। पूज्य युगल मुनिराजों की आहारचर्या, धर्मसभा, धार्मिक अनुष्ठानों में जैन मिलन बालिका मंडल अपनी सहभागिता प्रदान कर रहा है। हरियाली तीज के अवसर पर 27 जुलाई को जैन मिलन बालिका मंडल की सभी सदस्यों ने पूज्य युगल मुनिराजों को आहारदान देने का दृढ़ संकल्प लिया है । मंडल की सभी बालिकाएं पूर्ण श्रद्धा एवं भक्ति के साथ युगल मुनिराजों के लिए चौका लगाकर, नवधा भक्ति पूर्वक मुनिराजों का पढ़गाहन करते हुए उन्हें आहारदान देंगी। आहारचर्या में जैन मिलन बालिका मंडल की अध्यक्षा दीक्षा जैन, साक्षी जैन, स्वस्ति जैन, अक्षिता जैन, अनुश्री जैन, भूमि जैन, खुशी जैन, दीक्षा जैन, आशी जैन, मनीषा जैन, चांदनी जैन, जानवी जैन, क्षमा जैन, भूमि जैन, मोना जैन, आयुषी जैन, खुशी जैन, सौम्या जैन, नव्या जैन, निर्जरा जैन, हंशिका जैन, बेबो जैन, आशिका जैन, बुलबुल जैन, शिवानी जैन, न्याशा जैन, परी जैन, दृष्टि जैन सहित सभी सदस्याएं सहभागी होंगी।

श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति में विवेक विहार की अंगूरीदेवी जैन सावन क्वीन बनी

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति द्वारा आयोजित भव्य शपथ समारोह में आयोजित प्रतियोगित में विवेक विहार जैन मंदिर की श्रीमती अंगूरी देवी धर्मपत्नी अरुण कुमार जैन ने सावन उत्सव में 40 प्रतिभगियों में से मोस्ट अट्रैक्टिव सावन क्वीन का अवार्ड जीता। विवेक विहार के नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि उनकी जीत ने पूरे विवेक विहार का नाम रोशन किया। पूरे महिला मंडल व उनको बहुत बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं।

सोहनी फुलकारी पंजाबी वूमन सोसायटी ने बुजुर्गों के साथ बाँटी खुशियाँ

सेवाधाम आश्रम में भजन संध्या का आयोजन करके सौंपे गये उपहार

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। सोहनी फुलकारी वूमन सोसायटी द्वारा राजकीय वृद्ध आश्रम (सेवाधाम आश्रम) विवेकानंद में एक भक्ति पूर्ण एवं सामाजिक सेवा से परिपूर्ण भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें वृद्धा आश्रम के सभी वृद्ध जनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल भक्ति का संचार ही नहीं, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और सेवा भाव को प्रकट करना भी था। कार्यक्रम का आयोजन संस्था की सक्रिय सदस्याओं के सहयोग से किया गया रचना चावला, रानी गोहरी, शालिनी विज, सीमा गांधी, उषा चावला, प्राची संघर्षी, पूनम भारद्वाज किरण वैद और रोजी आहुजा के विशेष सहयोग से किया गया। किरण वैद द्वारा भजन संध्या के दौरान मधुर भजनों की प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिरस से भर दिया और उपस्थित सभी जनमानस को गहरी आत्मिक शांति का अनुभव हुआ। इस कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि सभी सदस्यों ने मिलकर वरिष्ठ नागरिकों के लिए उपहार स्वरूप उपयोगी सामग्री तैयार की और उन्हें सप्रेम भेंट किया गया सोहनी फुलकारी द्वारा फल, शालिनी, प्राची और पूनम द्वारा चादरें, किरण वैद द्वारा इमरती, पूजा द्वारा जीरा पानी, ललिता कपूर द्वारा लड्डू और नमकीन, रोजी आहूजा द्वारा डायपर, रानी, श्वेता, सोनाली और प्रीति के सहयोग द्वारा बिस्किट्स की व्यवस्था की गई।

पूजा विधान, सघन वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ, होगा नवीन जलाशय का भूमि पूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

आगरा रोड स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी के संरक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार प्रवीण चन्द्र छाबड़ा श्रावण शुक्ल एकम, शुक्रवार, 25 जुलाई को 96 वें वर्ष में प्रवेश करेंगे। इस मौके पर कई धार्मिक, सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष राजेन्द्र के शेखर ने बताया कि समिति के संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा के 96 वें जन्मदिन पर प्रातः जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के पंचामृत अभिषेक के बाद विश्व में सुख शांति समृद्धि और खुशहाली के लिए मंत्रोच्चार के साथ शांतिधारा की जाएगी। प्रचार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक तत्पश्चात प्रातः 9.00 बजे से साजों के साथ अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की जाएगी। इस दौरान भक्ति संगीत की गंगा बहेगी। जैन के मुताबिक पूजा अर्चना के बाद चूलगिरी पर 100 पौधे रोपकर सघन वृक्षारोपण के अभियान का शुभारंभ किया जाएगा। क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र के शेखर ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली के लिए 2000 पौधे चूलगिरी पर लगाये जाएंगे। संरक्षक प्रवीण चन्द्र छाबड़ा ने बताया कि वर्तमान में चूलगिरी पर 3000 वृक्ष लगे हुए हैं। जिनकी देखरेख क्षेत्र कमेटी द्वारा की जा रही है। नये पौधे फलदार एवं पक्षियों को आकर्षित करने के लिए लगाए जाएंगे। जैन ने बताया कि इस मौके पर क्षेत्र पर पानी की किल्लत को दृष्टिगत रखते हुए पौधों की सार सम्हाल व क्षेत्र पर उपयोग के लिए नये जलाशय (टांका) का भूमि पूजन भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि चूलगिरी पर वर्षा का जल एकत्रित करने के लिए एक 33 फीट गहरा जलाशय है जिसकी भराव क्षमता 18000 लीटर है।

-विनोद जैन कोटखावदा, प्रचार संयोजक

विदेश यात्रा के पोस्टर का विमोचन

वियतनाम जाएगा जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल का 80 सदस्यीय दल

जयपुर. शाबाश इंडिया

विश्व की सबसे बड़ी दम्पति सदस्यों की संस्था जैन सोश्यल ग्रुप्स इंट फैडरेशन मुम्बई की शाखा जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल जयपुर के तत्वावधान में अहिंसा शाकाहार एवं भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार करने के लिए 80 सदस्यीय दल वियतनाम की यात्रा पर जाएगा। इस 9 दिवसीय विदेश यात्रा के बहुरंगीय पोस्टर का विमोचन गुरुवार को बिड़ला आडिटोरियम में जैन सोश्यल ग्रुप्स इंट

फैडरेशन नार्दन रीजन के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस मौके पर नार्दन रीजन के चैयरमैन राजीव पाटनी, सचिव रविन्द्र बिलाला, चैयरमैन इलेक्ट सुभाष बज, निवर्तमान चैयरमैन महेन्द्र सिंघवी, वाइस प्रेसीडेंट सुधीर गंगवाल, कोषाध्यक्ष तरुण जैन, जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल जयपुर के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, अध्यक्ष राज कुमार काला,सचिव, प्रमोद जैन ,संयुक्त सचिव सुधीर गोधा,कोषाध्यक्ष राकेश पापड़ीवाल के अलावा महेंद्र जैन,विमल जैन आदि उपस्थित रहे। जैन सोश्यल ग्रुप कैपिटल के संस्थापक अध्यक्ष सुभाषचंद जैन व अध्यक्ष राजकुमार काला ने बताया कि दल 26 जुलाई को प्रातः 7.00 बजे जयपुर से बसों से रवाना होकर तिजारा होते हुए नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेगा जहां से वियतनाम रवाना होगा। सचिव प्रमोद जैन ने बताया कि वियतनाम में हनोई,सापा,क्रूज सहित सभी ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण किया जाएगा। वियतनाम में 9 दिन के भ्रमण के दौरान अहिंसा, शाकाहार, और भगवान महावीर के सिद्धांतों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। तत्पश्चात ग्रुप सदस्य 5 अगस्त को सुबह वापस जयपुर लौटेंगे।

50 वर्ष से अधिक राज करने वाली भारत की एक मात्र रानी चेन्नाभैरादेवी पर डाक टिकट जारी

भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पहली रानी जिसने रानी लक्ष्मीबाई के कई दशकों पूर्व अंग्रेजों के छक्के छुड़ाए

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। भारत की धरती पर ऐसे-ऐसे महारथियों ने जन्म लिया है, जिनके बारे में भले ही हमारा इतिहास मोन रहा है, विदेशी इतिहासकारों ने और हमारे खुद के इतिहासकारों ने अपनी संकीर्ण मानसिकता की वजह इनको महिमा मंडित करना उचित नहीं समझा परन्तु हीरे की आभा स्वयं प्रकाशमान होती है उसको किसी के आलंबन की जरूरत नहीं होती है। ऐसी ही एक महान विभूति है, रानी चेन्नाभैरादेवी। रानी चेन्नाभैरादेवी ने 16वीं शताब्दी के विजयनगर साम्राज्य की नागिरे प्रांत की जैन रानी थीं। उन्हें आधिकारिक तौर पर महामंडलेश्वरी रानी चेन्नाभैरादेवी के नाम से जाना जाता था। उक्त जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान एवं वरिष्ठ फिलेटेलिस्ट ओम पाटोदी ने बताया कि भारत सरकार के डाक तार विभाग द्वारा गुरुवार 24 जुलाई को राष्ट्रपति भवन में एक गरिमामय समारोह में 5 रूपए मूल्यवर्ग का एक विशेष डाक टिकट जारी किया। जिसका लोकार्पण महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुरमू जी ने किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद जोशी जी व सांसद पद्मभूषण श्री विरेंद्र हेगडे जी उपस्थिति थे। इस डाक टिकट समारोह में जैनिज्म फिलेटेलिक ग्रुप के श्री महावीर कुंदूर की विशेष भूमिका रही। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि दक्षिण भारत में शासन तंत्र पर जैन धर्म का काफी प्रभाव रहा वहीं कई शासक जैन धर्म के अनुयाई रहे वहीं शासन में कई महत्वपूर्ण पदों पर जैन लोग रहे हैं।